भारतीय वैश्विक परिषद

समाचार पत्रक

अंक : 35 | अक्टूबर-दिसंबर, 2023

आईसीडब्ल्यूए की महानिदेशक राजदूत विजय ठाकुर सिंह ने 2 दिसंबर 2023 को भारत के माननीय उपराष्ट्रपति एवं आईसीडब्ल्यूए के अध्यक्ष श्री जगदीप धनखड़ से मुलाकात की। उनके साथ आईसीडब्ल्यूए के उप महानिदेशक श्री सौमेन बागची भी मौजूद थे।

मलेशिया के विदेश मामलों के मंत्री माननीय दातो सेरी डिराजा डॉ. ज़ाम्ब्री अब्द कादिर ने 6 नवंबर 2023 को आईसीडब्ल्यूए का दौरा किया।

45वां सप्रू हाउस व्याख्यान 4 अक्टूबर 2023 को डोमिनिकन गणराज्य के उपराष्ट्रपति महामहिम रक़ेल पेना द्वारा दिया गया।

वियतनाम एकेडमी ऑफ सोशल साइंसेज (वीएएसएस) और भारतीय वैश्विक परिषद (आईसीडब्ल्यूए) के बीच चौथा संवाद 12 अक्टूबर 2023 को आयोजित किया गया था।

46वां सप्रू हाउस व्याख्यान 3 नवंबर 2023 को ग्वाटेमाला के विदेश मामलों के उप-मंत्री महामहिम कार्ला समायोआ रेकारी द्वारा दिया गया था।

विषय-सूची

महामहिम श्री क्रिस्टोफर कटजर, स्थायी सचिव (विदेश सचिव), विदेश एवं यूरोपीय मामलों और व्यापार मंत्रालय, माल्टा की राजदूत विजय ठाकुर सिंह, महानिदेशक, आईसीडब्ल्यूए से मुलाकात, 3 अक्टूबर 2023 5

महामहिम राकेल पेना, उपराष्ट्रपति, डोमिनिकन गणराज्य द्वारा "द डोमिनिकन रिपब्लिक एंड इंडिया: नेचुरल पार्टनर्स" विषय पर 45वां सप्रू हाउस व्याख्यान, 4 अक्टूबर 2023 5

'भारत एवं सुधारित बहु-ध्रुवीय विश्व व्यवस्था' पर आईसीडब्ल्यूए युवा विद्वान सम्मेलन, सप्रू हाउस, 6 अक्टूबर 2023 6

भारत में बेलारूस के राजदूत महामहिम श्री आंद्रेई रज़ेउस्की द्वारा राजदूत विजय ठाकुर सिंह, महानिदेशक, आईसीडब्ल्यूए से मुलाकात, 6 अक्टूबर 2023 8

भारत में अल्जीरिया के राजदूत महामहिम डॉ. अली अचौई द्वारा राजदूत विजय ठाकुर सिंह, महानिदेशक, आईसीडब्ल्यूए से मुलाकात, 10 अक्टूबर 2023 8

चौथा आईसीडब्ल्यूए-वीएएसएस (वियतनाम) संवाद, नई दिल्ली, 12 अक्टूबर 2023 8

अंतर्राष्ट्रीय प्रवासन नीति विकास केंद्र (आईसीएमपीडी) के महानिदेशक श्री माइकल स्पिंडेलेगर के साथ बातचीत और आईसीडब्ल्यूए-आईसीएमपीडी समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर, 19 अक्टूबर 2023 11

लॉन्च इवेंट - प्रवासन एवं आवागमन पर भारत-ईयू साझा एजेंडा का चरण II, 20 अक्टूबर 2023 11

भारतीय वैश्विक परिषद (आईसीडब्ल्यूए) और नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी (एनएलयू), जोधपुर के बीच समझौता ज्ञापन का समापन, 24 अक्टूबर 2023 12

भारतीय वैश्विक परिषद (आईसीडब्ल्यूए) और बिड़ला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस, पिलानी (बिट्स पिलानी) के बीच समझौता ज्ञापन का समापन, 26 अक्टूबर 2023 12

डॉ. सेबेस्टियन डोमज़ाल्स्की, सीडीए, पोलैंड दूतावास ने राजदूत विजय ठाकुर सिंह, महानिदेशक, आईसीडब्ल्यूए से मुलाकात की, 30 अक्टूबर 2023 13

आईसीडब्ल्यूए द्वारा 'विशेष स्वच्छता अभियान 3.0' के हिस्से के रूप में 'श्रमदान' का आयोजन किया, 31 अक्टूबर 2023 14

भारतीय वैश्विक परिषद (आईसीडब्ल्यूए) और नालंदा विश्वविद्यालय के बीच समझौता ज्ञापन का समापन, 31 अक्टूबर 2023 14

भारत में मलेशिया के नामित राजदूत मुजफ्फर शाह मुस्तफा द्वारा राजदूत विजय ठाकुर सिंह, महानिदेशक, आईसीडब्ल्यूए से मुलाकात, 31 अक्टूबर 2023 15

ग्वाटेमाला के विदेश मामलों के उप-मंत्री महामहिम कार्ला समायोआ रेकारी द्वारा "ग्वाटेमाला में महिलाओं का सशक्तिकरण: समानता एवं विकास हेतु एक दृष्टिकोण" पर 46वां सप्रू हाउस व्याख्यान, 3 नवंबर 2023 15

मलेशिया के विदेश मामलों के मंत्री माननीय दातो' सेरी डिराजा डॉ. जाम्ब्री अब्द कादिर की आईसीडब्ल्यूए की यात्रा, 6 नवंबर 2023 16

9वीं आईसीडब्ल्यूए-पीआईएसएम (पोलैंड) रणनीतिक वार्ता, 8 नवंबर 2023 16

एशिया प्रशांत में सुरक्षा सहयोग परिषद (सीएससीएपी) अध्ययन समूह की 5वीं बैठक, 9 नवंबर 2023 18

ब्रुनेई दारुस्सलाम के उच्चायुक्त महामहिम दातो अलैहुद्दीन मोहम्मद ताहा द्वारा राजदूत विजय ठाकुर सिंह, महानिदेशक, आईसीडब्ल्यूए से मुलाकात, 14 नवंबर 2023 18

एशिया प्रशांत सीएससीएपी, बैंकॉक, थाईलैंड में सुरक्षा सहयोग परिषद की 59वीं संचालन समिति की बैठक, 21-22 नवंबर 2023 19

कासा एशिया के महानिदेशक श्री जेवियर पैरोन्डो और इंडो-पैसिफिक के लिए एंबेसडर एट लार्ज और कासा एशिया सेंटर, मैड्रिड के निदेशक श्री एमिलियो डी. मिगुएल द्वारा राजदूत विजय ठाकुर सिंह, महानिदेशक, आईसीडब्ल्यूए से मुलाकात, 24 नवंबर 2023 19

नाइजीरिया के पूर्व विदेश मंत्री प्रोफेसर इब्राहिम ए. गम्बारी द्वारा राजदूत विजय ठाकुर सिंह, महानिदेशक, आईसीडब्ल्यूए से मुलाकात, 24 नवंबर 2023 20

माल्टा के उच्चायुक्त महामहिम श्री रूबेन गौसी द्वारा राजदूत विजय ठाकुर सिंह, महानिदेशक, आईसीडब्ल्यूए से मुलाकात, 28 नवंबर 2023 20

भारत में ट्यूनीशिया की राजदूत महामहिम श्रीमती हयेत तल्बी ईपी बिलेल द्वारा राजदूत विजय ठाकुर सिंह , महानिदेशक, आईसीडब्ल्यूए से मुलाकात, 29 नवंबर 2023 20

भारतीय वैश्विक परिषद (आईसीडब्ल्यूए) और आईआईटी बॉम्बे के बीच समझौता ज्ञापन का समापन, 30 नवंबर 2023 21

आईसीडब्ल्यूए के महानिदेशक राजदूत विजय ठाकुर सिंह द्वारा भारत के माननीय उपराष्ट्रपति एवं अध्यक्ष, आईसीडब्ल्यूए श्री जगदीप धनखड़ से मुलाकात, 2 दिसंबर 2023 21

सऊदी अरब साम्राज्य के रॉयल कोर्ट के सलाहकार महामहिम श्री मोहम्मद बिन मज्याद अल-तुवैजरी द्वारा राजदूत विजय ठाकुर सिंह, महानिदेशक, आईसीडब्ल्यूए से मुलाकात, 5 दिसंबर 2023 22

भारतीय वैश्विक परिषद (आईसीडब्ल्यूए) और जेवियर स्कूल ऑफ मैनेजमेंट (एक्सएलआरआई), जमशेदपुर के बीच समझौता ज्ञापन का समापन, 14 दिसंबर 2023 22

विदेश नीति परिषद "यूक्रेनी प्रिज्म" के साथ बातचीत, 15 दिसंबर 2023 23

लॉन्च इवेंट - प्रोजेक्ट प्रयास (युवाओं एवं कुशल पेशेवरों के लिए नियमित एवं सहायता प्राप्त प्रवासन का संवर्धन), 21 दिसंबर 2023 23

'वियतनाम-भारत व्यापक रणनीतिक साझेदारी: सहयोग एवं अवसर' पर सम्मेलन, 22 दिसंबर 2023 24

उटरीच कार्यक्रम 25

आईसीडब्ल्यूए में शोध-प्रशिक्षु 26

प्रकाशन 27

इंडिया क्वार्टरली - संपादकीय 31

महामहिम श्री क्रिस्टोफर कटजर, स्थायी सचिव (विदेश सचिव), विदेश एवं यूरोपीय मामलों और व्यापार मंत्रालय, माल्टा की राजदूत विजय ठाकुर सिंह, महानिदेशक, आईसीडब्ल्यूए से मुलाकात, 3 अक्टूबर 2023

महामहिम श्री क्रिस्टोफर कटजर, स्थायी सचिव (विदेश सचिव), विदेश एवं यूरोपीय मामलों और व्यापार मंत्रालय, माल्टा ने भारत - माल्टा द्विपक्षीय संबंधों तथा शैक्षणिक सहयोग पर चर्चा करने हेतु 3 अक्टूबर 2023 को राजदूत विजय ठाकुर सिंह, महानिदेशक, आईसीडब्ल्यूए से मुलाकात की। महामहिम श्री रूबेन गौसी, उच्चायुक्त और श्री डेविड मैन्सफील्ड, निदेशक-विदेश संबंध, माल्टा गणराज्य के विदेश और यूरोपीय मामलों एवं व्यापार मंत्रालय बैठक में शामिल अन्य गणमान्य व्यक्ति थे।

महामहिम राकेल पेना, उपराष्ट्रपति, डोमिनिकन गणराज्य द्वारा "द डोमिनिकन रिपब्लिक एंड इंडिया: नेचुरल पार्टनर्स" विषय पर 45वां सप्रू हाउस व्याख्यान, 4 अक्टूबर 2023

45वां सप्रू हाउस व्याख्यान 4 अक्टूबर 2023 को डोमिनिकन गणराज्य के माननीय उपराष्ट्रपति, महामहिम राकेल पेना द्वारा दिया गया था। व्याख्यान की अध्यक्षता आईसीडब्ल्यूए के महानिदेशक, राजदूत विजय ठाकुर सिंह ने की, जिन्होंने भारत तथा डोमिनिकन गणराज्य और इसमें शामिल विभिन्न क्षेत्रों के बीच बढ़ते संबंधों पर ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि दोनों देश लोकतंत्र के साझा मूल्यों को साझा करते हैं और हाल ही में डोमिनिकन गणराज्य में भारतीय राजनयिक मिशन की शुरुआत का उल्लेख किया और समुद्री विज्ञान, सूचना प्रौद्योगिकी, अंतरिक्ष एवं उच्च शिक्षा जैसे सहयोग के प्रमुख क्षेत्रों पर प्रकाश डाला।

महामहिम राक़ेल पेना ने आईसीडब्ल्यूए को अंतरराष्ट्रीय संबंधों के क्षेत्र में ज्ञान एवं शिक्षा का एक प्रतीक बताया। उन्होंने दोनों देशों के बीच घनिष्ठ और मैत्रीपूर्ण संबंधों का जिक्र किया। उन्होंने भारत और डोमिनिकन गणराज्य के संविधान के बीच समानता और दोनों देशों के दृष्टिकोण में विविधता, लोकतंत्र एवं बहुपक्षवाद को महत्व देने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि वैश्विक शांति सुनिश्चित करने, जलवायु परिवर्तन एवं खाद्य सुरक्षा की दिशा में कार्रवाई को बढ़ावा देने और सामान्य रूप से लोगों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार हेतु मिलकर काम करना महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि कैरेबियन में डोमिनिकन गणराज्य की रणनीतिक स्थिति भारत के लिए बढ़ते वाणिज्यिक एवं तकनीकी आदान-प्रदान का एक आर्थिक प्रवेश द्वार बन सकती है। उन्होंने कहा कि भारत एक स्थिर और जिम्मेदार भागीदार का उदाहरण है और बहुपक्षवाद और जी20 के ज़रिए वैश्विक दक्षिण के हितों को आगे बढ़ाने का चैंपियन है। उन्होंने महामारी के दौरान मेडिकल किट और टीके उपलब्ध कराने के लिए भारत को धन्यवाद दिया और स्वास्थ्य एवं कल्याण के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने का आह्वान किया।

'भारत एवं सुधारित बहु-ध्रुवीय विश्व व्यवस्था' पर आईसीडब्ल्यूए युवा विद्वान सम्मेलन, सप्रू हाउस, 6 अक्टूबर 2023

भारतीय वैश्विक परिषद (आईसीडब्ल्यूए) ने 6 अक्टूबर 2023 को सप्रू हाउस, नई दिल्ली में 'भारत और सुधारित बहु-ध्रुवीय विश्व व्यवस्था' पर आईसीडब्ल्यूए युवा विद्वान सम्मेलन का आयोजन किया। सम्मेलन में भारत भर के 19 विश्वविद्यालयों के युवा शोध विद्वानों की भागीदारी देखी गई, जो इस बात पर चर्चा करने के लिए एकत्र हुए कि कैसे एक बढ़ता हुआ भारत एक नई विश्व व्यवस्था के गठन और एक बहुध्रुवीय दुनिया के उद्भव को आकार दे रहा है जो सुधारों और शक्ति पुनर्वितरण की विशेषता है। मुख्य भाषण डॉ. सी. राजा मोहन, सीनियर फेलो, एशिया सोसाइटी पॉलिसी इंस्टीट्यूट, नई दिल्ली ने दिया।

आईसीडब्ल्यूए की महानिदेशक राजदूत विजय ठाकुर सिंह ने अपने स्वागत भाषण में वैश्विक भू-राजनीति में आज दिखाई देने वाले बड़े रुझानों पर प्रकाश डाला, जैसे कि यूक्रेन संकट के परिणाम, बढ़ते उत्तर-दक्षिण विभाजन, पूर्व-पश्चिम ध्रुवीकरण, वित्तीय प्रणालियों का हथियारीकरण, जलवायु परिवर्तन का प्रभाव और प्रौद्योगिकी में तेजी से प्रगति। हाल ही में नई दिल्ली जी20 शिखर सम्मेलन के दौरान, उन्होंने इन रुझानों पर भारत की प्रतिक्रिया, रणनीतिक स्वायत्तता, ग्लोबल साउथ के साथ एकजुटता और एक पुल निर्माता और सर्वसम्मति निर्माता के रूप में कार्य करने के बारे में बात की। अपने मुख्य भाषण में, डॉ. सी. राजा मोहन ने इस बात पर प्रकाश डाला कि तेजी से बढ़ती बहुध्रुवीय दुनिया सत्ता के वितरण और पहुंच को प्रभावित कर सकती है। सत्ता का वितरण और अंतर्राष्ट्रीय संबंधों पर इसका प्रभाव एक केंद्रीय प्रश्न है। हमें यह समझने की जरूरत है कि मौजूदा भू-राजनीतिक दरारें भारत के सामने क्या विकल्प और चुनौतियां पेश करती हैं। महान सत्ता के संबंधों में बदलाव के दीर्घकालिक परिणाम होते हैं और भारत को सही विकल्प चुनना होगा। उन्होंने भारत के लगातार बढ़ते रहने के साथ तीन खतरों पर प्रकाश डाला, जैसे, विजयवाद से बचना, विचारधारा और व्यावहारिकता के बीच तनाव को संतुलित करना; अपनी विदेश नीति में मूल्य बनाम हित और अंत में, राष्ट्रवाद और अंतर्राष्ट्रीयता को संतुलित करना।

बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था में भारत पर पहले तकनीकी सत्र की अध्यक्षता डॉ. अर्चना नेगी, एसोसिएट प्रोफेसर, सेंटर फॉर इंटरनेशनल पॉलिटिक्स, ऑर्गनाइजेशन एंड डिसआर्मेंट, स्कूल ऑफ इंटरनेशनल स्टडीज, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, दिल्ली ने की। राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय, गांधीनगर, नॉर्थ-ईस्टर्न हिल यूनिवर्सिटी, शिलांग, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ़ जम्मू, जम्मू और पंजाब यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़ से चार वक्ता थे। और मुंबई विश्वविद्यालय, मुंबई, केरल केंद्रीय विश्वविद्यालय, कासरगोड, गौहाटी विश्वविद्यालय, गुवाहाटी और इलाहाबाद केंद्रीय विश्वविद्यालय, प्रयागराज से चार चर्चाकार थे। वक्ताओं ने इस बात पर प्रकाश डाला कि भारत ने हमेशा नियम-आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था का समर्थन किया है और वैश्विक दक्षिण और दक्षिण-दक्षिण सहयोग के साथ एकजुटता और साझेदारी को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। भारत ने वर्तमान भू-राजनीतिक वास्तविकताओं को बेहतर ढंग से प्रतिबिंबित करने के लिए बहुपक्षीय संस्थानों में सुधार का बार-बार आह्वान किया है। इस संदर्भ में, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के सुधार के साथ संयुक्त राष्ट्र में सुधार की बहुत आवश्यकता है। भारत आई2यू2 जैसे नए युग के गठबंधनों के माध्यम से पानी, ऊर्जा, परिवहन, अंतरिक्ष, स्वास्थ्य, खाद्य सुरक्षा से संबंधित चुनौतियों का समाधान करने के लिए समान विचारधारा वाले देशों के साथ भी साझेदारी कर रहा है। सत्र में भारत की सॉफ्ट पावर की भूमिका को एक महत्वपूर्ण तत्व के रूप में उजागर किया गया जिसे भारत के भू-राजनीतिक प्रभाव को और बढ़ाने और सार्वभौमिक मूल्यों को मजबूत करने में मदद करने के लिए तैनात किया जाना चाहिए।

वैश्विक दक्षिण के साथ भारत की एकजुटता पर दूसरे तकनीकी सत्र की अध्यक्षता डॉ. धनंजय त्रिपाठी, एसोसिएट प्रोफेसर और अध्यक्ष, अंतर्राष्ट्रीय संबंध विभाग, दक्षिण एशियाई विश्वविद्यालय, दिल्ली ने की। इस सत्र में वक्ताओं में मणिपाल एकेडमिक ऑफ हायर एजुकेशन, मणिपाल, साउथ एशियन यूनिवर्सिटी, दिल्ली, गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय, गांधीनगर और आईआईटी गुवाहाटी, गुवाहाटी के वक्ता थे। सत्र में पांडिचेरी विश्वविद्यालय, पांडिचेरी, डॉ. हरिसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय सागर, दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय, गया और हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय के चर्चाकर्ता थे। सत्र के वक्ताओं ने विशेष रूप से भारत-प्रशांत क्षेत्र में समुद्री सुरक्षा के महत्व को रेखांकित किया। गैर-पारंपरिक सुरक्षा खतरों को संबोधित करने के लिए, हिंद महासागर रिम एसोसिएशन (आईओआरए) को एक प्रभावी बहुपक्षीय संगठन के रूप में मजबूत करने की आवश्यकता है। सत्र में इस बात पर भी प्रकाश डाला गया कि कैसे भारत ग्लोबल साउथ के साथ बढ़ती व्यस्तताओं के माध्यम से अपनी विदेश नीति के लक्ष्यों को बढ़ाने के लिए अपनी तकनीकी ताकत का लाभ उठा सकता है, जो इसे एक दीर्घकालिक, विश्वसनीय भागीदार के रूप में देखता है। ग्लोबल साउथ की आवाज़ के रूप में, भारत को चीन की तुलना में कई फायदे हैं जैसे कि ग्लोबल नॉर्थ के साथ उसके गैर-प्रतिद्वंद्वी संबंध और उसकी अधिक पूर्वानुमानित विदेश नीति दृष्टिकोण।

सम्मेलन में जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली और जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय, दिल्ली के युवा विद्वानों ने भी हिस्सा लिया।

भारत में बेलारूस के राजदूत महामहिम श्री आंद्रेई रज़ेउस्की द्वारा राजदूत विजय ठाकुर सिंह, महानिदेशक, आईसीडब्ल्यूए से मुलाकात, 6 अक्टूबर 2023

भारत में बेलारूस के राजदूत महामहिम श्री आंद्रेई रज़ेउस्की ने भारत-बेलारूस द्विपक्षीय संबंधों और अकादमिक सहयोग पर चर्चा करने हेतु 6 अक्टूबर 2023 को सप्रू हाउस में राजदूत विजय ठाकुर सिंह, महानिदेशक, आईसीडब्ल्यूए से मुलाकात की।

भारत में अल्जीरिया के राजदूत महामहिम डॉ. अली अचौई द्वारा राजदूत विजय ठाकुर सिंह, महानिदेशक, आईसीडब्ल्यूए से मुलाकात, 10 अक्टूबर 2023

भारत में अल्जीरिया के राजदूत महामहिम डॉ. अली अचौई ने भारत-अल्जीरिया द्विपक्षीय संबंधों और अकादमिक सहयोग पर चर्चा करने हेतु 10 अक्टूबर 2023 को राजदूत विजय ठाकुर सिंह, महानिदेशक, आईसीडब्ल्यूए से मुलाकात की।

चौथा आईसीडब्ल्यूए-वीएएसएस (वियतनाम) संवाद, नई दिल्ली, 12 अक्टूबर 2023

भारतीय वैश्विक परिषद (आईसीडब्ल्यूए) ने 12 अक्टूबर 2023 को सप्रू हाउस, नई दिल्ली में अपने समझौता ज्ञापन भागीदार वियतनाम एकेडमी ऑफ सोशल साइंसेज (वीएएसएस) के साथ चौथी वार्ता आयोजित की। इस संवाद का विषय "भारत-वियतनाम साझेदारी: उभरती

चुनौतियों के लिए सामूहिक समाधान का सृजन" था। संवाद वैश्विक भू-राजनीतिक परिवर्तन की पृष्ठभूमि में द्विपक्षीय संबंधों के अवसरों और चुनौतियों पर केंद्रित था तथा इसमें विद्वानों, शिक्षाविदों और राजनयिकों की भागीदारी देखी गई।

उद्घाटन सत्र में, राजदूत विजय ठाकुर सिंह, महानिदेशक, आईसीडब्ल्यूए, श्री गुयेन थान हा, अंतर्राष्ट्रीय सहयोग विभाग, (वीएएसएस) के महानिदेशक और भारत में वियतनाम के राजदूत, श्री गुयेन थान है, ने भाषण दिए। भारत और वियतनाम के बीच बहुआयामी द्विपक्षीय संबंधों के साथ दीर्घकालिक साझेदारी है। द्विपक्षीय संबंधों की नींव आपसी विश्वास, प्रतिबद्धता और रणनीतिक हितों के मजबूत अभिसरण पर आधारित है। पारंपरिक द्विपक्षीय संबंधों को दोनों देशों के नेताओं - महात्मा गांधी और हो ची मिन्ह द्वारा पोषित किया गया है। दिसंबर 2020 में अपनाया गया शांति, समृद्धि और लोगों के लिए ऐतिहासिक संयुक्त दृष्टिकोण 2016 में हस्ताक्षरित व्यापक रणनीतिक साझेदारी का पूरक और मार्गदर्शन करता है। वियतनाम भारत के सबसे करीबी साझेदारों में से एक है और इसकी एक्ट ईस्ट नीति और हिंद-प्रशांत विजन का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है।

वर्तमान भू-राजनीति और भू-अर्थशास्त्र पर परिप्रेक्ष्य पर पहले सत्र की अध्यक्षता राजदूत विजय ठाकुर सिंह ने की। डॉ. उदय भानु सिंह, पूर्व में एमपी आईडीएसए के साथ और एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. फाम थाई क्वोक, उप प्रधान संपादक, वियतनाम जर्नल ऑफ वर्ल्ड इकोनॉमिक्स एंड पॉलिटिक्स, इंस्टीट्यूट ऑफ वर्ल्ड इकोनॉमिक्स एंड पॉलिटिक्स ने चर्चा का नेतृत्व किया। वियतनाम इंस्टीट्यूट फॉर इंडियन एंड साउथवेस्ट एशियन स्टडीज (वीआईएसएएस) के प्रभारी उप महानिदेशक डॉ. फाम काओ कुओंग और आईसीडब्ल्यूए के रिसर्च फेलो डॉ. तुनचिनमांग लैंगल दो चर्चाकर्ता थे। यह देखा गया कि द्वितीय विश्व युद्ध के बाद की विश्व व्यवस्था उथल-पुथल से गुजर रही है और अंतर्राष्ट्रीय वातावरण सहयोग और प्रतिस्पर्धा के बीच झूल रहा है। कोविड-19 महामारी, यूक्रेनी संकट, काकेशस में संघर्ष और पश्चिम एशिया में शत्रुता के प्रकोप ने कमजोरियों को उजागर किया। दक्षिण चीन सागर सहित इसकी परिधि में चीन की घुसपैठ और आक्रामक मुद्रा ने क्षेत्रीय और वैश्विक सुरक्षा के लिए चिंताएँ बढ़ा दी हैं। इसके अलावा, वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला, खाद्य सुरक्षा, ईंधन की कीमतें और उर्वरक उपलब्धता के बारे में भी चिंताएं हैं। दुनिया के विभिन्न हिस्सों में संघर्षों का वैश्विक अर्थव्यवस्था पर गहरा प्रभाव पड़ रहा है और विशेष रूप से ऋण की स्थिति गंभीर हो गई है।

दूसरा सत्र रक्षा और सुरक्षा पर भारत-वियतनाम साझेदारी पर था। वीएएसएस, महानिदेशक गुयेन थान हा ने बैठक की अध्यक्षता की। वक्ताओं में डॉ फाम काओ कुओंग और डॉ टेमजेनमेरेन एओ, एसोसिएट फेलो, एमपी-आईडीएसए थे। चर्चा करने वालों में एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. फाम थाई क्वोक, डिप्टी एडिटर-इन-चीफ, वियतनाम जर्नल ऑफ वर्ल्ड इकोनॉमिक्स एंड पॉलिटिक्स, इंस्टीट्यूट ऑफ वर्ल्ड इकोनॉमिक्स एंड पॉलिटिक्स (आईडब्ल्यूईपी) और डॉ. श्रीपति नारायणन, रिसर्च फेलो, आईसीडब्ल्यूए शामिल थे। सत्र में इस तथ्य पर प्रकाश डाला गया कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र में सुरक्षा परिदृश्य को विस्तारवादी चीन, हिंद महासागर क्षेत्र के बढ़ते महत्व, भारत के उदय और चीन और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच प्रतिद्वंद्विता द्वारा आकार दिया जा रहा है। नौवहन की स्वतंत्रता और संचार के समुद्री मार्गों की सुरक्षा और कानून के शासन को बनाए रखने से संबंधित चिंताएं हैं। व्यापक रणनीतिक साझेदारी के अनुसार, भारत और वियतनाम के बीच संबंध राजनीतिक और व्यापार संबंधों से रक्षा साझेदारी, समुद्री सुरक्षा, ऊर्जा सुरक्षा और विकास सहयोग के साथ-साथ अंतरिक्ष, नागरिक परमाणु और सूचना और संचार प्रौद्योगिकी जैसे नए एवं उभरते क्षेत्रों में विविध हो गए हैं।

तीसरा सत्र भारत और वियतनाम : एक नई आर्थिक साझेदारी के निर्माण की ओर विषय पर था। सत्र की अध्यक्षता प्रोफेसर शंकरी सुंदररमन ने की। वक्ताओं में आरआईएस के प्रोफेसर डॉ. प्रबीर डे और वीआईएसएएस के आर्थिक और विकास अध्ययन विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. डांग थाई बिन्ह शामिल थे। डॉ. उदय भानु सिंह और एसोचैम के प्रोफेसर डॉ. फाम थाई क्वोक चर्चाकर्ता थे। 2025 तक, द्विपक्षीय व्यापार में बाधा उत्पन्न करने वाली बाधाओं के कारण 20 बिलियन अमेरिकी डॉलर का लक्ष्य पूरा नहीं हो सकेगा। इसके अलावा, यह नोट किया गया कि भारत और वियतनाम का विकास हरित और सतत विकास, स्वास्थ्य देखभाल और डिजिटल अर्थव्यवस्था जैसे क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग के लिए नए अवसर खोल रहा है। यह भी नोट किया गया कि दोनों देशों का निर्यात पोर्टफोलियो प्रतिस्पर्धी नहीं है, बल्कि प्रकृति में पूरक है और इस प्रकार, दोनों पक्ष क्षेत्रीय और वैश्विक दोनों बाजारों तक पहुंचने में सहयोग कर सकते हैं।

चौथा सत्र साझा सांस्कृतिक और सभ्यतागत विरासत: भविष्य की साझेदारी का मार्ग था। सत्र के अध्यक्ष डॉ. फाम काओ कुओंग थे, जबकि वक्ता के रूप में सांस्कृतिक अध्ययन संस्थान, वीएएसएस के शोधकर्ता डॉ. हो थी थान नगा और दिल्ली विश्वविद्यालय के सहायक प्रोफेसर सोनू त्रिवेदी थे। चर्चाकर्ता श्री गुयेन थान हा और डॉ. प्रबीर डे थे। इस सत्र के दौरान, यह बताया गया कि भारत और वियतनाम के बीच संबंध दूसरी शताब्दी ईस्वी से हैं। यह वियतनामी परिदृश्य को दर्शाने वाली हिंदू धार्मिक संरचनाओं की संख्या में परिलक्षित होता है। ऐसी ही एक महत्वपूर्ण संरचना है माई सन सैंक्चुअरी - 4-14वीं शताब्दी ईस्वी में चाम सभ्यता द्वारा निर्मित शैव मंदिर - और जिसे 1997 में यूनेस्को द्वारा विश्व धरोहर स्थल के रूप में मान्यता दी गई थी। चाम साम्राज्य की लिपि भारत की ब्राह्मी लिपि से प्रभावित थी। वियतनाम में संस्कृत शिलालेख भी पाए गए हैं। वियतनाम और भारत माई सन सैंक्चुअरी में मंदिरों के संरक्षण और जीर्णोद्धार पर सहयोग कर रहे हैं। भारत से वियतनाम में बौद्ध धर्म का आगमन दोनों देशों के बीच सदियों पुराने संबंधों का एक और प्रमाण है।

समापन सत्र के दौरान, आईसीडब्ल्यूए की महानिदेशक राजदूत विजय ठाकुर सिंह और वीएएसएस के महानिदेशक गुयेन थान्ह हा ने बदलाव के दौर से गुजर रही दुनिया की पृष्ठभूमि में और स्थिर, सुरक्षित एवं समृद्ध हिंद-प्रशांत को बढ़ावा देने के संदर्भ में भारत-वियतनाम द्विपक्षीय व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और सुदृढ़ करने के महत्व पर जोर दिया।

अंतर्राष्ट्रीय प्रवासन नीति विकास केंद्र (आईसीएमपीडी) के महानिदेशक श्री माइकल स्पिंडेलेगर के साथ बातचीत और आईसीडब्ल्यूए-आईसीएमपीडी समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर, 19 अक्टूबर 2023

19 अक्टूबर 2023 को, आईसीडब्ल्यूए ने सप्रू हाउस में अंतर्राष्ट्रीय प्रवासन नीति विकास केंद्र (आईसीएमपीडी) के महानिदेशक, श्री माइकल स्पिंडेलेगर के साथ एक बातचीत की मेजबानी की। इसकी अध्यक्षता आईसीडब्ल्यूए की महानिदेशक राजदूत विजय ठाकुर सिंह ने की, जिन्होंने स्वागत भाषण दिया, जिसके बाद श्री स्पिंडेलेगर ने अपनी बात रखी और अध्यक्ष द्वारा एक प्रश्न-उत्तर सत्र का संचालन किया गया। प्रवासन में वैश्विक रुझान और अंतर्राष्ट्रीय एवं देश-विशिष्ट प्रवासन और गतिशीलता नीति ढांचे में विकास पर चर्चा की गई। इस बात पर जोर दिया गया कि संघर्ष, आर्थिक दबाव, जनसांख्यिकीय पैटर्न में बदलाव और जलवायु परिवर्तन जैसे कारकों की वजह से वैश्विक स्तर पर सीमाओं के पार लोगों की आवाजाही में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है और आज, प्रवासन नीति निर्माताओं और शिक्षाविदों दोनों के लिए एक महत्वपूर्ण मुद्दा बन गया है। बातचीत के बाद, सहयोग के लिए आईसीएमपीडी और आईसीडब्ल्यूए के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

लॉन्च इवेंट - प्रवासन एवं आवागमन पर भारत-ईयू साझा एजेंडा का चरण II, 20 अक्टूबर 2023

20 को अक्टूबर 2023 , प्रवासन एवं आवागमन पर भारत-ईयू साझा एजेंडा (सीएएमएम) - चरण II का शुभारंभ और 'प्रवासन एवं आवागमन के क्षेत्र में यूरोपीय संघ-भारत संबंध कैसे आगे बढ़ सकते हैं' पर हाइब्रिड प्रारूप में एक पैनल चर्चा आयोजित की गई थी। चरण II परियोजना को इंटरनेशनल सेंटर फॉर माइग्रेशन पॉलिसी डेवलपमेंट (आईसीएमपीडी), इंटरनेशनल लेबर ऑर्गनाइजेशन (आईएलओ) और इंडियन काउंसिल ऑफ वर्ल्ड अफेयर्स (आईसीडब्ल्यूए) द्वारा कार्यान्वित किया गया है।

तीनों साझेदारों ने पहले चरण में यूरोपीय संघ-भारत सहयोग के परिणाम एवं वर्तमान वैश्विक प्रवास और ईयू-भारत सहयोग के संदर्भ में दूसरे चरण के महत्व के बारे में बताते हुए कार्यक्रम की शुरुआत की। सुश्री नूतन कपूर महावर, अपर सचिव, भारतीय वैश्विक परिषद, ने श्री सातोशी सासाकी, प्रभारी अधिकारी, उप निदेशक, अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन, नई दिल्ली और सुश्री सेडेफ डियरिंग, निदेशक, अंतर्राष्ट्रीय प्रवासन नीति विकास केंद्र (आईसीएमपीडी) के साथ स्वागत और परिचयात्मक भाषण दिया। परिचयात्मक भाषणों के पश्चात श्री जोहान्स लचनर, उप महानिदेशक, प्रवासन एवं गृह मामलों के महानिदेशालय (डीजी होम), यूरोपीय आयोग और राजदूत मुक्तेश परदेशी, सचिव सीपीवी/ओआईए, विदेश मंत्रालय द्वारा मुख्य भाषण दिया गया। कार्यक्रम में सीएएमएम चरण II को आधिकारिक तौर पर लॉन्च किया गया।

भारतीय वैश्विक परिषद (आईसीडब्ल्यूए) और नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी (एनएलयू), जोधपुर के बीच समझौता ज्ञापन का समापन, 24 अक्टूबर 2023

आईसीडब्ल्यूए अधिनियम, 2001 के अंतर्गत बाराखंभा रोड, नई दिल्ली स्थित राष्ट्रीय महत्व के संस्थान 'भारतीय वैश्विक परिषद (आईसीडब्ल्यूए)' और जोधपुर में स्थित राजस्थान राज्य विधानमंडल द्वारा अधिनियमित एक अधिनियम द्वारा स्थापित 'नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी (एनएलयू)' अंतर्राष्ट्रीय मामलों और भारतीय विदेश नीति पर जागरूकता और ज्ञान का विस्तार करने के अपने लक्ष्य की खोज में सहयोग करने हेतु सहमत हो गए हैं।

भारत के माननीय उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ ने हाल ही में 27 सितंबर 2023 को एनएलयू, जोधपुर का दौरा किया और एनएलयू, जोधपुर के साथ आईसीडब्ल्यूए के एक समझौता ज्ञापन की घोषणा की थी। माननीय उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ आईसीडब्ल्यूए के अध्यक्ष हैं।

आईसीडब्ल्यूए और एनएलयू जोधपुर के बीच 24 अक्टूबर 2023 को समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए, जो तीन साल की अवधि के लिए वैध होगा। समझौता ज्ञापन का उद्देश्य अंतर्राष्ट्रीय मामलों और भारतीय विदेश नीति पर सहमत विषयों पर अध्ययन और सेमिनार आयोजित करना होगा और दोनों पक्ष निम्नलिखित तरीके से सहयोग करने के लिए सहमत हुए हैं:

i. संयुक्त कार्यक्रम आयोजित करना;
ii. साझा हित के मुद्दों पर पारस्परिक रूप से सहमत तौर-तरीकों के माध्यम से संयुक्त अध्ययन करना;
iii. यदि एनएलयू जोधपुर द्वारा अनुरोध किया जाता है, तो आईसीडब्ल्यूए एनएलयू जोधपुर के छात्रों को अंतर्राष्ट्रीय मामलों और विदेश नीति में उनकी क्षमता / कौशल का निर्माण करने के उद्देश्य से इंटर्नशिप की पेशकश करने पर विचार करेगा।

भारतीय वैश्विक परिषद (आईसीडब्ल्यूए) और बिड़ला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस, पिलानी (बिट्स पिलानी) के बीच समझौता ज्ञापन का समापन, 26 अक्टूबर 2023

नई दिल्ली, बाराखंभा रोड स्थित, आईसीडब्ल्यूए अधिनियम, 2001 के अंतर्गत राष्ट्रीय महत्व के संस्थान भारतीय वैश्विक परिषद (आईसीडब्ल्यूए) और राजस्थान, पिलानी स्थित सम-विश्वविद्यालय बिड़ला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस, पिलानी (बिट्स पिलानी) अंतर्राष्ट्रीय मामलों और भारतीय विदेश नीति पर जागरूकता और ज्ञान का विस्तार करने के अपने लक्ष्य की खोज में सहयोग करने हेतु सहमत हो गए हैं।

भारत के माननीय उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ ने हाल ही में 27 सितंबर 2023 को बिट्स पिलानी का दौरा किया और बिट्स पिलानी के साथ आईसीडब्ल्यूए के एक समझौता ज्ञापन की घोषणा की थी। माननीय उपाध्यक्ष श्री जगदीप धनखड़ आईसीडब्ल्यूए के अध्यक्ष हैं।

आईसीडब्ल्यूए और बिट्स पिलानी के बीच 26 अक्टूबर 2023 को समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए थे, जो तीन साल की अवधि के लिए वैध होगा। समझौता ज्ञापन का उद्देश्य अंतर्राष्ट्रीय मामलों और भारतीय विदेश नीति पर सहमत विषयों पर अध्ययन और सेमिनार आयोजित करना होगा और दोनों पक्ष निम्नलिखित तरीके से सहयोग करने के लिए सहमत हुए हैं:

i. संयुक्त कार्यक्रमों का आयोजन;
ii. साझा हित के मुद्दों पर पारस्परिक रूप से सहमत तौर-तरीकों के माध्यम से संयुक्त अध्ययन करना;
iii. यदि बिट्स पिलानी द्वारा अनुरोध किया जाता है, तो आईसीडब्ल्यूए अंतरराष्ट्रीय मामलों और विदेश नीति में अपनी क्षमता / कौशल का निर्माण करने के उद्देश्य से बिट्स पिलानी के छात्रों को इंटर्नशिप की पेशकश करने पर विचार करेगा।

डॉ. सेबेस्टियन डोमज़ाल्स्की, सीडीए, पोलैंड दूतावास ने राजदूत विजय ठाकुर सिंह, महानिदेशक, आईसीडब्ल्यूए से मुलाकात की, 30 अक्टूबर 2023

पोलैंड दूतावास के सीडीए डॉ. सेबेस्टियन डोमज़ाल्स्की ने भारत-पोलैंड द्विपक्षीय संबंधों और शैक्षणिक सहयोग पर चर्चा करने हेतु 30 अक्टूबर 2023 को राजदूत विजय ठाकुर सिंह, महानिदेशक, आईसीडब्ल्यूए से मुलाकात की।

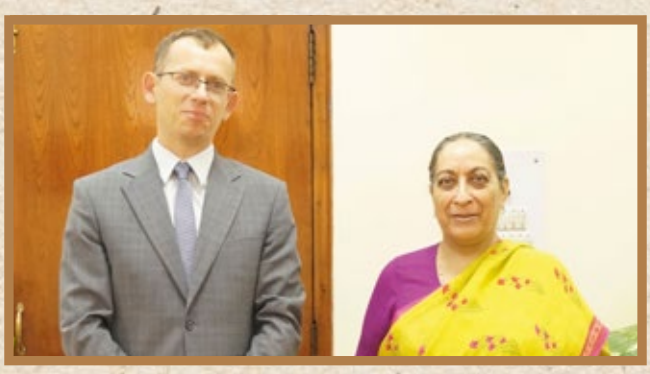

आईसीडब्ल्यूए द्वारा 'विशेष स्वच्छता अभियान 3.0' के हिस्से के रूप में 'श्रमदान' का आयोजन किया, 31 अक्टूबर 2023

31 अक्टूबर 2023 को, आईसीडब्ल्यूए ने स्वच्छता के इष्टतम लक्ष्यों को हासिल करने हेतु 02-31 अक्टूबर 2023 की अवधि के दौरान चलाए जा रहे 'विशेष स्वच्छता अभियान 3.0' के हिस्से के रूप में परिषद के परिसर की सफाई के लिए 'श्रमदान' का आयोजन किया। परिषद के अधिकारियों, कर्मचारियों और अनुसंधान संकाय ने 'श्रमदान' में हिस्सा लिया।

भारतीय वैश्विक परिषद (आईसीडब्ल्यूए) और नालंदा विश्वविद्यालय के बीच समझौता ज्ञापन का समापन, 31 अक्टूबर 2023

नई दिल्ली, बाराखंभा रोड स्थित, आईसीडब्ल्यूए अधिनियम, 2001 के अंतर्गत राष्ट्रीय महत्व के संस्थान भारतीय वैश्विक परिषद (आईसीडब्ल्यूए) और बिहार, 803116, राजगीर, नालंदा जिला, स्थित सम-विश्वविद्यालय संस्थान, नालंदा विश्वविद्यालय ने अंतर्राष्ट्रीय मामलों और भारतीय विदेश नीति पर जागरूकता और ज्ञान का विस्तार करने के अपने लक्ष्य की खोज में सहयोग करने पर पर सहमति व्यक्त की।

भारत के माननीय उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ ने हाल ही में 29 सितंबर को नालंदा विश्वविद्यालय का दौरा किया था और नालंदा विश्वविद्यालय के साथ आईसीडब्ल्यूए के समझौता ज्ञापन की घोषणा की थी। माननीय उपाध्यक्ष श्री जगदीप धनखड़ आईसीडब्ल्यूए के अध्यक्ष हैं।

आईसीडब्ल्यूए और नालंदा विश्वविद्यालय के बीच 31 अक्टूबर 2023 को समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए थे, जो तीन साल की अवधि के लिए वैध होगा।

समझौता ज्ञापन का उद्देश्य अंतर्राष्ट्रीय मामलों और भारतीय विदेश नीति पर सहमत विषयों पर अध्ययन और सेमिनार आयोजित करना होगा और दोनों पक्ष निम्नलिखित तरीके से सहयोग करने के लिए सहमत हुए हैं:

i. संयुक्त कार्यक्रमों का आयोजन;

ii. साझा हित के मुद्दों पर पारस्परिक रूप से सहमत तौर-तरीकों के माध्यम से संयुक्त अध्ययन करना;

iii. यदि नालंदा विश्वविद्यालय द्वारा अनुरोध किया जाता है, तो आईसीडब्ल्यूए नालंदा विश्वविद्यालय के छात्रों को इंटर्नशिप की पेशकश करने पर विचार करेगा, जिसका उद्देश्य अंतर्राष्ट्रीय मामलों और विदेश नीति में उनकी क्षमता / कौशल का निर्माण करना है।

भारत में मलेशिया के नामित राजदूत मुजफ्फर शाह मुस्तफा द्वारा राजदूत विजय ठाकुर सिंह, महानिदेशक, आईसीडब्ल्यूए से मुलाकात, 31 अक्टूबर 2023

भारत में मलेशिया के नामित राजदूत मुजफ्फर शाह मुस्तफा ने भारत-मलेशिया द्विपक्षीय संबंधों और शैक्षणिक सहयोग पर चर्चा करने हेतु 31 अक्टूबर 2023 को राजदूत विजय ठाकुर सिंह, महानिदेशक, आईसीडब्ल्यूए से मुलाकात की।

ग्वाटेमाला के विदेश मामलों के उप-मंत्री महामहिम कार्ला समायोआ रेकारी द्वारा "ग्वाटेमाला में महिलाओं का सशक्तिकरण: समानता एवं विकास हेतु एक दृष्टिकोण" पर 46वां सप्रू हाउस व्याख्यान, 3 नवंबर 2023

ग्वाटेमाला के विदेश मामलों के उप-मंत्री महामहिम कार्ला समायोआ रेकारी ने 3 नवंबर 2023 को सप्रू हाउस में "ग्वाटेमाला में महिलाओं का सशक्तिकरण: समानता एवं विकास हेतु एक दृष्टिकोण" विषय पर 46वां सप्रू हाउस व्याख्यान दिया।

अपने व्याख्यान में, ग्वाटेमाला के विदेश मामलों के उप-मंत्री, महामहिम कार्ला समायोआ रेकारी ने इस बात पर प्रकाश डाला कि भारतीय महिलाओं ने राजनयिक दुनिया में, विशेष तौरपर बहुपक्षीय प्रयासों और बहुपक्षीय मामलों के संबंध में एक बदलाव लाया है। भारत की तरह ग्वाटेमाला भी महिलाओं के विकास को प्राथमिकता दे रहा है। ग्वाटेमाला संयुक्त राष्ट्र में और विशेष रूप से शांति सेना के उच्च पदों पर महिलाओं की अधिक भागीदारी चाहता है। उन्होंने कहा कि ग्वाटेमाला ने विभिन्न शांति अभियानों में महिला अधिकारियों को तैनात किया है, जिन्होंने संघर्ष एवं अस्थिरता से प्रभावित देशों के परिवर्तन में योगदान दिया है। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि मानवता की भलाई और स्थायी शांति के लिए शांति प्रक्रियाओं में महिलाओं की भागीदारी आवश्यक है। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि वर्तमान समय में जब दुनिया युद्धों और संघर्ष से खतरे में है, गुणवत्ता, शांति और मानवाधिकारों की रक्षा के लिए मिलकर काम करना जारी रखना और निर्णयन की प्रक्रियाओं में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाना महत्वपूर्ण है।

मलेशिया के विदेश मामलों के मंत्री माननीय दातो' सेरी डिराजा डॉ. जाम्ब्री अब्द कादिर की आईसीडब्ल्यूए की यात्रा, 6 नवंबर 2023

मलेशिया के विदेश मामलों के मंत्री माननीय दातो' सेरी डिराजा डॉ. ज़ाम्ब्री अब्द कादिर ने आईसीडब्ल्यूए के कामकाज की बेहतर समझ हासिल करने हेतु 6 नवंबर 2023 को भारतीय वैश्विक परिषद, सप्रू हाउस का दौरा किया। आईसीडब्ल्यूए की महानिदेशक राजदूत विजय ठाकुर सिंह ने उनका स्वागत किया। उन्होंने आईसीडब्ल्यूए अनुसंधान संकाय के साथ भी बातचीत की और सप्रू हाउस लाइब्रेरी का दौरा किया।

9वीं आईसीडब्ल्यूए-पीआईएसएम (पोलैंड) रणनीतिक वार्ता, 8 नवंबर 2023

भारतीय वैश्विक परिषद (आईसीडब्ल्यूए) और पोलैंड इंस्टीट्यूट ऑफ इंटरनेशनल अफेयर्स (पीआईएसएम) ने 8 नवंबर 2023 को वारसॉ में अपनी 9वीं रणनीतिक वार्ता आयोजित की। आईसीडब्ल्यूए की महानिदेशक राजदूत विजय ठाकुर सिंह के नेतृत्व में चार सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने वार्ता में भाग लिया। प्रो. उम्मू सलमा बावा-प्रोफेसर, जे.एन.यू.; डॉ. स्तुति बनर्जी-एसआरएफ, आईसीडब्ल्यूए; डॉ. हिमानी पंत-आरएफ, आईसीडब्ल्यूए भी प्रतिनिधिमंडल के सदस्य थे। वार्ता में यूरोप के लिए सुरक्षा चुनौतियों,

हिंद-प्रशांत क्षेत्र में उभरती स्थिति के साथ-साथ चल रहे वैश्विक और क्षेत्रीय भू-राजनीतिक प्रवाह की पृष्ठभूमि में भारत-पोलैंड द्विपक्षीय संबंधों पर ध्यान केंद्रित किया गया।

उद्घाटन सत्र में, राजदूत विजय ठाकुर सिंह, महानिदेशक, आईसीडब्ल्यूए और श्री स्लावोमिर डेब्स्की, निदेशक, पीआईएसएम द्वारा भाषण दिए गए। राजदूत सिंह ने कहा कि आज दुनिया खंडित और विभाजित है। संकट के कई क्षेत्र हैं जैसे यूक्रेन और इज़राइल-गाजा संकट, जिसके कारण भू-राजनीतिक दरारें और अधिक गहरी हो गई हैं। उन्होंने इन संकटों के प्रति भारत के संतुलित दृष्टिकोण पर प्रकाश डाला जो रणनीतिक स्वायत्तता द्वारा निर्देशित है। उन्होंने आने वाले वर्षों में भारत-पोलैंड संबंधों के लिए एक आशावादी दृष्टिकोण भी साझा किया। श्री डेब्स्की ने वैश्विक और क्षेत्रीय मुद्दों पर भारतीय और पोलिश दृष्टिकोण की समझ बढ़ाने के साथ-साथ दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने में आईसीडब्ल्यूए-पीआईएसएम संवाद के महत्व को रेखांकित किया।

पोलैंड के उप विदेश मंत्री महामहिम वोज्शिएक गेरवेल और पोलैंड में भारत के राजदूत महामहिम नगमा मोहम्मद मलिक ने भी उद्घाटन सत्र में भाग लिया और मुख्य भाषण दिया। महामहिम गेरवेल ने कहा कि तेजी से बदलती दुनिया में भारत की महत्वपूर्ण भूमिका है। भारत की आर्थिक प्रगति की प्रशंसा करने के अलावा, उन्होंने यह भी बताया कि पोलैंड विगत 30 वर्षों में यूरोप में सबसे तेजी से विकास करने वाले देशों में से एक रहा है। उन्होंने कहा कि भारत और पोलैंड तकनीकी विशेषज्ञता को बढ़ावा देने के लिए मिलकर काम कर सकते हैं। महामहिम मल्लिक ने भारत-पोलैंड संबंधों का सिंहावलोकन दिया और इस बात पर प्रकाश डाला कि दोनों देश साझा मूल्यों वाले लोकतंत्र हैं। पिछले तीन दशकों में पोलैंड की लगातार प्रगति की सराहना करते हुए, उन्होंने बताया कि भारत ने भी इस अवधि के दौरान प्रगति की है और फिनटेक, आईटी, फार्मास्यूटिकल्स सहित अन्य क्षेत्रों में अपनी ताकत के लिए पहचाना जाता है। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि भारत एक प्रमुख निवेश गंतव्य के साथ-साथ प्रत्यक्ष विदेशी निवेश का स्रोत भी है।

संवाद का पहला सत्र "यूरोप के लिए सुरक्षा चुनौतियां: भारत और पोलैंड के परिप्रेक्ष्य" पर केंद्रित था। पैनल की अध्यक्षता पीआईएसएम के अनुसंधान कार्यालय के उप प्रमुख डॉ लुकास्ज कुलेसा ने की। सत्र में वक्ताओं में पीआईएसएम के सुरक्षा कार्यक्रम के प्रमुख डॉ. वोज्शिएक लोरेंज और जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के यूरोपीय अध्ययन केंद्र में प्रोफेसर प्रोफेसर उम्मू सलमा बावा शामिल थे। यह नोट किया गया कि यूक्रेन में संकट ने यूरोपीय सुरक्षा ढांचे के लिए बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं। साथ ही, संकट ने आपूर्ति श्रृंखला नेटवर्क को प्रभावित करके वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं को भी प्रभावित किया है। संकट के समाधान के लिए बातचीत और कूटनीति का पालन करने की आवश्यकता पर बल दिया गया।

दूसरा सत्र "भारत-प्रशांत में बदलती सुरक्षा स्थिति" पर केंद्रित था। इसकी अध्यक्षता आईसीडब्ल्यूए की महानिदेशक राजदूत विजय ठाकुर सिंह ने की। वक्ताओं में श्री मार्सिन टेरलिकोव्स्की, अनुसंधान कार्यालय के उप प्रमुख, पीआईएसएम और डॉ. स्तुति बनर्जी, वरिष्ठ अनुसंधान फेलो, आईसीडब्ल्यूए शामिल थे। प्रतिभागियों ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र में भारत के समावेशी दृष्टिकोण और नियम आधारित समुद्री व्यवस्था पर प्रकाश डाला। इस सत्र में समुद्री विवादों और अमेरिका-चीन विवादों के कारण क्षेत्र में तनाव पर चर्चा की गई।

तीसरा सत्र "भारत-पोलैंड द्विपक्षीय संबंध" पर केंद्रित था। इसकी अध्यक्षता पीआईएसएम के एशिया-प्रशांत कार्यक्रम के प्रमुख डेमियन वनुकोव्स्की ने की। सत्र में वक्ताओं में श्री पैट्रिक कुगील, वरिष्ठ विश्लेषक, पीआईएसएम और डॉ. हिमानी पंत-रिसर्च फेलो, आईसीडब्ल्यूए शामिल थे। यह देखा गया कि भारत-पोलैंड द्विपक्षीय संबंधों में, दो बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं के बीच अप्रयुक्त क्षमता है, जिसे विकसित करने की आवश्यकता है, जिसमें रक्षा संबंधों को मजबूत करना और प्रवासन और गतिशीलता के मुद्दों पर सहयोग शामिल है।

एशिया प्रशांत में सुरक्षा सहयोग परिषद (सीएससीएपी) अध्ययन समूह की 5वीं बैठक, 9 नवंबर 2023

9 नवंबर 2023 को, एशिया प्रशांत में सुरक्षा सहयोग परिषद (सीएससीएपी) के पूर्वोत्तर एशिया शांति एवं सहयोग पर अध्ययन समूह की 5वीं बैठक ऑनलाइन आयोजित की गई। आईसीडब्ल्यूए के शोध अध्येता डॉ. टुनचिनमांग लांगेल ने आईसीडब्ल्यूए, सीएससीएपी-इंडिया समिति के प्रतिनिधि के रूप में बैठक में भाग लिया। बैठक का विषय 'पूर्वोत्तर एशिया में शांति एवं सहयोग उपायों पर विचार' था। जापान, कोरिया गणराज्य, सिंगापुर, चीन, ऑस्ट्रेलिया, सिंगापुर, लाओस, फिलीपींस, अमेरिका और न्यूजीलैंड के सीएससीएपी खंड के प्रतिनिधियों ने भी हिस्सा लिया।

ब्रुनेई दारुस्सलाम के उच्चायुक्त महामहिम दातो अलैहुद्दीन मोहम्मद ताहा द्वारा राजदूत विजय ठाकुर सिंह, महानिदेशक, आईसीडब्ल्यूए से मुलाकात, 14 नवंबर 2023

ब्रुनेई दारुस्सलाम के उच्चायुक्त महामहिम दातो अलैहुद्दीन मोहम्मद ताहा ने भारत-ब्रुनेई द्विपक्षीय संबंधों और अकादमिक सहयोग पर चर्चा करने हेतु 14 नवंबर 2023 को आईसीडब्ल्यूए की महानिदेशक राजदूत विजय ठाकुर सिंह से मुलाकात की।

एशिया प्रशांत सीएससीएपी में सुरक्षा सहयोग परिषद की 59वीं संचालन समिति की बैठक, बैंकॉक, थाईलैंड 21-22 नवंबर 2023

एशिया प्रशांत में सुरक्षा सहयोग के लिए 59वीं परिषद (सीएससीएपी) संचालन समिति की बैठक (एससीएम) 22 नवंबर 2023 को बैंकॉक, थाईलैंड में आयोजित की गई थी। आईसीडब्ल्यूए की महानिदेशक राजदूत विजय ठाकुर सिंह, और सीएससीएपी-भारत समिति के अध्यक्ष डॉ. संजीव कुमार, वरिष्ठ शोध अध्येता, आईसीडब्ल्यूए और समन्वयक, सीएससीएपी-भारत समिति, ने सीएससीएपी योजना समिति की बैठक और संचालन समिति की बैठक में भाग लिया। दोनों बैठकों की सह-अध्यक्षता प्रोफेसर डॉ. मोहम्मद फैज़ अब्दुल्ला (आसियान अध्यक्ष) और डॉ. चार्ल्स लाब्रेक, (गैर-आसियान अध्यक्ष) द्वारा की गई। योजना समिति की बैठक के दौरान सदस्य समितियों द्वारा वित्तीय वर्ष 2024 के लिए बजट और योजना से संबंधित मुद्दों पर चर्चा की गई। संचालन समिति की बैठक में वैश्विक और क्षेत्रीय महत्व के विभिन्न विषयों के साथ-साथ वित्तीय और प्रशासनिक मामलों पर चल रहे और नए अध्ययन समूहों पर चर्चा की गई। थाईलैंड के विदेश मामलों के उप मंत्री श्री सिहासाक फुआंगकेटकेव ने बैठक में भाषण दिया।

कासा एशिया के महानिदेशक श्री जेवियर पैरोन्डो और इंडो-पैसिफिक के लिए एंबेसडर एट लार्ज और कासा एशिया सेंटर, मैड्रिड के निदेशक श्री एमिलियो डी. मिगुएल द्वारा राजदूत विजय ठाकुर सिंह, महानिदेशक, आईसीडब्ल्यूए से मुलाकात, 24 नवंबर 2023

कासा एशिया के महानिदेशक श्री जेवियर पैरोनडो और इंडो-पैसिफिक के लिए एंबेसडर एट लार्ज और कासा एशिया सेंटर, मैड्रिड के निदेशक श्री एमिलियो डी. मिगुएल ने 24 नवंबर 2023 को आईसीडब्ल्यूए की महानिदेशक राजदूत विजय ठाकुर सिंह से मुलाकात की। इस दौरान आपसी हित और शैक्षणिक सहयोग के विषयों पर चर्चा हुई। कासा एशिया आईसीडब्ल्यूए का एमओयू साझेदार है।

नाइजीरिया के पूर्व विदेश मंत्री प्रोफेसर इब्राहिम ए. गम्बारी द्वारा राजदूत विजय ठाकुर सिंह, महानिदेशक, आईसीडब्ल्यूए से मुलाकात, 24 नवंबर 2023

नाइजीरिया के पूर्व विदेश मंत्री प्रो. इब्राहिम ए. गम्बारी ने आपसी हित के वैश्विक, क्षेत्रीय और भारत-नाइजीरिया द्विपक्षीय मुद्दों पर चर्चा करने हेतु 24 नवंबर 2023 को राजदूत विजय ठाकुर सिंह, महानिदेशक, आईसीडब्ल्यूए से मुलाकात की।

माल्टा के उच्चायुक्त महामहिम श्री रूबेन गौसी द्वारा राजदूत विजय ठाकुर सिंह, महानिदेशक, आईसीडब्ल्यूए से मुलाकात, 28 नवंबर 2023

भारत में माल्टा के उच्चायुक्त महामहिम श्री रूबेन गौसी ने भारत-माल्टा द्विपक्षीय संबंधों और शैक्षणिक सहयोग पर चर्चा करने हेतु 28 नवंबर 2023 को आईसीडब्ल्यूए की महानिदेशक राजदूत विजय ठाकुर सिंह से मुलाकात की।

भारत में ट्यूनीशिया की राजदूत महामहिम श्रीमती हयेत तल्बी ईपी बिलेल द्वारा राजदूत विजय ठाकुर सिंह , महानिदेशक, आईसीडब्ल्यूए से मुलाकात, 29 नवंबर 2023

भारत में ट्यूनीशिया की राजदूत महामहिम श्रीमती हयेत तल्बी ईपी बिलेल ने आपसी हित के वैश्विक और क्षेत्रीय मुद्दों और भारत-ट्यूनीशिया द्विपक्षीय संबंधों पर चर्चा करने के लिए 29 नवंबर 2023 को भारत में ट्यूनीशिया की राजदूत महामहिम श्रीमती हयेत तल्बी ईपी बिलेल द्वारा राजदूत विजय ठाकुर सिंह , महानिदेशक, आईसीडब्ल्यूए से मुलाकात, 29 नवंबर 2023।

भारतीय वैश्विक परिषद (आईसीडब्ल्यूए) और आईआईटी बॉम्बे के बीच समझौता ज्ञापन का समापन, 30 नवंबर 2023

नई दिल्ली, बाराखंभा रोड स्थित, आईसीडब्ल्यूए अधिनियम, 2001 के अंतर्गत स्थापित, राष्ट्रीय महत्व का एक संस्थान, भारतीय वैश्विक परिषद (आईसीडब्ल्यूए) और महाराष्ट्र मुंबई 400076, पवई स्थित, प्रौद्योगिकी संस्थान अधिनियम 1961 के अंतर्गत स्थापित, राष्ट्रीय महत्व का एक संस्थान, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान बॉम्बे (आईआईटीबी), अंतर्राष्ट्रीय मामलों और भारतीय विदेश नीति पर जागरूकता और ज्ञान का विस्तार करने के अपने लक्ष्य की खोज में सहयोग करने के लिए सहमत हो गए हैं।

भारत के माननीय उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ ने हाल ही में 6 नवंबर 2023 को आईआईटी बॉम्बे का दौरा किया और आईआईटी बॉम्बे के साथ आईसीडब्ल्यूए के एक समझौता ज्ञापन की घोषणा की थी। माननीय उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ आईसीडब्ल्यूए के अध्यक्ष हैं। आईसीडब्ल्यूए और आईआईटी बॉम्बे के बीच 30 नवंबर 2023 को समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए, जो तीन साल की अवधि के लिए वैध होगा।

समझौता ज्ञापन का उद्देश्य अंतर्राष्ट्रीय मामलों और भारतीय विदेश नीति पर सहमत विषयों पर अध्ययन और सेमिनार आयोजित करना होगा और दोनों पक्ष निम्नलिखित तरीके से सहयोग करने के लिए सहमत हुए हैं:

i. संयुक्त कार्यक्रमों का आयोजन;
ii. साझा हित के मुद्दों पर पारस्परिक रूप से सहमत तौर-तरीकों के माध्यम से संयुक्त अध्ययन करना;
iii. यदि आईआईटी बॉम्बे द्वारा अनुरोध किया जाता है, तो आईसीडब्ल्यूए आईआईटी बॉम्बे के छात्रों को इंटर्नशिप की पेशकश करने पर विचार करेगा, जिसका उद्देश्य अंतर्राष्ट्रीय मामलों और विदेश नीति में उनकी क्षमता / कौशल का निर्माण करना है।

आईसीडब्ल्यूए की महानिदेशक राजदूत विजय ठाकुर सिंह द्वारा भारत के माननीय उपराष्ट्रपति एवं अध्यक्ष, आईसीडब्ल्यूए श्री जगदीप धनखड़ से मुलाकात, 2 दिसंबर 2023

आईसीडब्ल्यूए की महानिदेशक राजदूत विजय ठाकुर सिंह ने 2 दिसंबर 2023 को भारत के माननीय उपराष्ट्रपति एवं अध्यक्ष, आईसीडब्ल्यूए श्री जगदीप धनखड़ से मुलाकात की। राजदूत विजय ठाकुर सिंह ने माननीय उपराष्ट्रपति को आईसीडब्ल्यूए के जारी अनुसंधान, प्रकाशनों, कार्यक्रमों एवं आउटरीच गतिविधियों के बारे में जानकारी दी और इनपर उन्हें मार्गदर्शन देने का अनुरोध किया। राजदूत विजय ठाकुर सिंह के साथ आईसीडब्ल्यूए के उप महानिदेशक श्री सौमेन बागची भी थे।

सऊदी अरब साम्राज्य के रॉयल कोर्ट के सलाहकार महामहिम श्री मोहम्मद बिन मज्याद अल-तुवैजरी द्वारा राजदूत विजय ठाकुर सिंह, महानिदेशक, आईसीडब्ल्यूए से मुलाकात, 5 दिसंबर 2023

सऊदी अरब साम्राज्य के रॉयल कोर्ट के सलाहकार महामहिम श्री मोहम्मद बिन मज़्याद अल-तुवैजरी ने आपसी हित और शैक्षणिक सहयोग के वैश्विक, क्षेत्रीय और द्विपक्षीय मुद्दों पर चर्चा करने हेतु 5 दिसंबर 2023 को आईसीडब्ल्यूए की महानिदेशक राजदूत विजय ठाकुर सिंह से मुलाकात की।

भारतीय वैश्विक परिषद (आईसीडब्ल्यूए) और जेवियर स्कूल ऑफ मैनेजमेंट (एक्सएलआरआई), जमशेदपुर के बीच समझौता ज्ञापन का समापन, 14 दिसंबर 2023

नई दिल्ली, बाराखंभा रोड स्थित, आईसीडब्ल्यूए अधिनियम, 2001 के अंतर्गत स्थापित, राष्ट्रीय महत्व का एक संस्थान, भारतीय वैश्विक परिषद (आईसीडब्ल्यूए) और जमशेदपुर झारखंड स्थित, सोसाइटी पंजीकरण अधिनियम, झारखंड सरकार के तहत पंजीकृत, सोसाइटी ऑफ जीसस (जेसुइट्स) द्वारा संचालित एक गैर-लाभकारी बिजनेस स्कूल, जेवियर स्कूल ऑफ मैनेजमेंट (एक्सएलआरआई), अंतर्राष्ट्रीय मामलों और भारतीय विदेश नीति पर जागरूकता और ज्ञान का विस्तार करने के अपने लक्ष्य की खोज में सहयोग करने के लिए सहमत हो गए हैं। भारत के माननीय उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ ने हाल ही में 10 दिसंबर 2023 को एक्सएलआरआई जमशेदपुर का दौरा किया और एक्सएलआरआई जमशेदपुर के साथ आईसीडब्ल्यूए के एक समझौता ज्ञापन की घोषणा की थी। माननीय उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ आईसीडब्ल्यूए के अध्यक्ष हैं।

आईसीडब्ल्यूए और एक्सएलआरआई जमशेदपुर के बीच 14 दिसंबर 2023 को समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए, जो तीन साल की अवधि के लिए वैध होगा।

समझौता ज्ञापन का उद्देश्य अंतर्राष्ट्रीय मामलों और भारतीय विदेश नीति पर सहमत विषयों पर अध्ययन और सेमिनार आयोजित करना होगा और दोनों पक्ष निम्नलिखित तरीके से सहयोग करने के लिए सहमत हुए हैं:

i. संयुक्त कार्यक्रमों का आयोजन;
ii. साझा हित के मुद्दों पर पारस्परिक रूप से सहमत तौर-तरीकों के माध्यम से संयुक्त अध्ययन करना;
iii. यदि एक्सएलआरआई जमशेदपुर द्वारा अनुरोध किया जाता है, तो आईसीडब्ल्यूए एक्सएलआरआई जमशेदपुर के छात्रों को इंटर्नशिप की पेशकश करने पर विचार करेगा, जिसका उद्देश्य अंतर्राष्ट्रीय मामलों और विदेश नीति में उनकी क्षमता / कौशल का निर्माण करना है।

विदेश नीति परिषद "यूक्रेनी प्रिज्म" के साथ बातचीत, 15 दिसंबर 2023

आईसीडब्ल्यूए ने 15 दिसंबर 2023 को विदेश और सुरक्षा नीति के मुद्दों से संबंधित एक प्रमुख यूक्रेनी थिंक टैंक, विदेश नीति परिषद "यूक्रेनी प्रिज्म" के साथ चर्चा की मेजबानी की। उद्घाटन भाषण आईसीडब्ल्यूए की महानिदेशक, राजदूत विजय ठाकुर सिंह द्वारा दिए गए। इसके बाद यूक्रेनी प्रिज्म के विशेषज्ञों ने अपने-अपने भाषण दिए। डॉ. हन्ना शेलेस्ट (सुरक्षा अध्ययन एवं वैश्विक आउटरीच कार्यक्रम निदेशक) ने यूक्रेनी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया। श्री मायखाइलो सैमस (निदेशक, न्यू जियोपॉलिटिक्स रिसर्च नेटवर्क), सुश्री ओल्हा वोरोज़बिट (यूक्रेनी प्रिज्म से संबद्ध विशेषज्ञ; "उक्रेयिन्स्की टाइज़डेन" के उप प्रधान संपादक), सुश्री नतालिया ब्यूटिरस्का (पत्रकार, पूर्वी एशिया विशेषज्ञ) ने चर्चा में हिस्सा लिया। भारत में यूक्रेन के राजदूत डॉ. ऑलेक्ज़ेंडर पोलिशचुक ने भी चर्चा में हिस्सा लिया।

चर्चा के दौरान संघर्ष को सुलझाने के लिए बातचीत तथा कूटनीति का आह्वान करने वाली भारत की स्थिति पर प्रकाश डाला गया। यह नोट किया गया कि भारत किसी भी ऐसी पहल का समर्थन करता है जिससे यूक्रेन और रूस के बीच बातचीत फिर से शुरू हो सके। यूक्रेनी प्रिज्म के विशेषज्ञों ने यूक्रेन को दी गई भारत की मानवीय सहायता को स्वीकार किया और युद्ध के बाद अपने देश के पुनर्निर्माण में भारत की संभावित भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने युद्ध पर यूक्रेन की स्थिति और यूक्रेन के दस सूत्री शांति फॉर्मूले के बारे में जानकारी दी।

लॉन्च इवेंट - प्रोजेक्ट प्रयास (युवाओं एवं कुशल पेशेवरों के लिए नियमित एवं सहायता प्राप्त प्रवासन का संवर्धन), 21 दिसंबर 2023

21 दिसंबर 2023 को, प्रोजेक्ट प्रयास (युवाओं एवं कुशल पेशेवरों के लिए नियमित एवं सहायता प्राप्त प्रवासन का संवर्धन) का शुभारंभ कार्यक्रम नई दिल्ली में हयात रीजेंसी में एक हाइब्रिड प्रारूप में आयोजित किया गया था। यह परियोजना विदेश मंत्रालय के तत्वावधान में अंतर्राष्ट्रीय प्रवासन संगठन (आईओएम) भारत और भारतीय वैश्विक परिषद (आईसीडब्ल्यूए) के बीच एक संयुक्त सहयोग है।

अंतर्राष्ट्रीय प्रवासन संगठन, भारत कार्यालय प्रमुख श्री संजय अवस्थी ने स्वागत भाषण दिया। अंतर्राष्ट्रीय प्रवासी दिवस (जो 18 दिसंबर को मनाया गया) के उपलक्ष्य में, सचिव (सीपीवी एंड

ओआईए), विदेश मंत्रालय, श्री मुक्तेश परदेशी ने प्रोजेक्ट प्रयास को लॉन्च किया और मुख्य भाषण दिया। उनके संबोधन के बाद सुश्री अर्चना नायर, संयुक्त सचिव, ईपी एंड डब्ल्यू, श्री ब्रह्मा कुमार, जेएस एंड पीजीई, और श्री हितेश जे. राजपाल, निदेशक, भारतीय वैश्विक परिषद द्वारा विशेष भाषण दिए गए। भारत में प्रवासन शासन नीतियों के व्यापक परिदृश्य पर अपनी ज्ञानवर्धक टिप्पणियाँ देते हुए, इन सम्मानित गणमान्य व्यक्तियों ने आधिकारिक तौर पर प्रोजेक्ट प्रयास का शुभारंभ किया। प्रोजेक्ट प्रयास की शुरुआत आईओएम इंडिया के वरिष्ठ परियोजना सहायक सुरक्षा चन्द्रशेखर द्वारा की गई, जिन्होंने दर्शकों को प्रोजेक्ट प्रयास के लक्ष्यों और उद्देश्यों एवं प्रमुख डिलिवरेबल्स और चुनौतियों के बारे में जानकारी दी। राजदूत, शोध सहयोगी, आईसीडब्ल्यूए ने सुरक्षित, व्यवस्थित एवं नियमित अंतरराष्ट्रीय प्रवास और गतिशीलता मार्गों की सुविधा पर विशेषज्ञ सत्र के दौरान बात की। भारत में प्रवासन पर प्रमुख अकादमिक विशेषज्ञ भी इस कार्यक्रम में शामिल हुए, जिनमें प्रोफेसर एस. इरुदया राजन, प्रोफेसर एस. शशिकुमार और डॉ. बसंत कुमार शामिल थे। इस आयोजन में शामिल होने वाले अन्य प्रमुख कार्यालय - नीति आयोग, गोएथे इंस्टीट्यूट और ब्रिटिश उच्चायोग और आईसीएमपीडी थे। इस कार्यक्रम में डब्ल्यूएचओ भारत, यूएनएचसीआर भारत, यूनिसेफ भारत सहित कई अन्य संयुक्त राष्ट्र कार्यालयों की भी भागीदारी देखी गई।

'वियतनाम-भारत व्यापक रणनीतिक साझेदारी: सहयोग एवं अवसर' पर सम्मेलन, 22 दिसंबर 2023

डॉ. निवेदिता रे, निदेशक अनुसंधान, आईसीडब्ल्यूए ने 22 दिसंबर 2023 को भारतीय दूतावास, हनोई और हो ची मिन्ह नेशनल एकेडमी ऑफ पॉलिटिक्स (एचसीएमएनएपी) द्वारा संयुक्त रूप से 'वियतनाम-भारत व्यापक रणनीतिक साझेदारी: सहयोग एवं अवसर' विषय पर आयोजित सम्मेलन में भाग लिया। उन्होंने भारत और वियतनाम के बीच विकासात्मक और शैक्षिक सहयोग के अवसरों पर अपने विचार साझा किए। वियतनाम में भारत के राजदूत महामहिम श्री संदीप आर्य, उप विदेश मंत्री महामहिम श्री डू हंग वियत, पूर्व विदेश मंत्री गुयेन डि नियेन, एचसीएमएनएपी के उपाध्यक्ष, भारतीय एवं वियतनामी विद्वानों और विशेषज्ञों ने भारत वियतनाम व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और सुदृढ़ करने पर अपनी बहुमूल्य अंतर्दृष्टि साझा की।

आउटरीच कार्यक्रम

'भारत द्वारा दक्षिण-कोरिया के बीच के राजनयिक संबंधों की स्थापना के 50 वर्ष पूरे होने पर स्मरण' विषय पर अगली पीढ़ी के लिए दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कोरियाई अध्ययन सम्मेलन, 17-18 नवंबर 2023

17-18 नवंबर, 2023 को विदेशी भाषा विभाग, जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा 'भारत द्वारा दक्षिण-कोरिया के साथ राजनयिक संबंधों के 50 वर्ष पूरे होने पर स्मरण' विषय पर अगली पीढ़ी के लिए दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कोरियाई अध्ययन सम्मेलन का आयोजन किया गया था। सुश्री अवनी सबलोक, शोध सहयोगी, आईसीडब्ल्यूए ने सम्मेलन में "भारत और दक्षिण कोरिया का आर्थिक सहयोग और नई विश्व व्यवस्था" शीर्षक से एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

"भारत और अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा, शांति एवं मीडिया" पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 11-12 दिसंबर 2023

आईसीडब्ल्यूए के एमओयू साझेदार मणिपाल अकादमी ऑफ हायर एजुकेशन, मणिपाल, कर्नाटक ने 11-12 दिसंबर को मणिपाल, कर्नाटक में "भारत और अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा, शांति एवं मीडिया" पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया। आईसीडब्ल्यूए की ओर से, डॉ. स्तुति बनर्जी, एसआरएफ, आईसीडब्ल्यूए ने सम्मेलन में भाग लिया। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बोर्ड के अध्यक्ष और रूस, चेक गणराज्य और आयरलैंड के पूर्व राजदूत राजदूत पीएस राघवन ने उद्घाटन सत्र में मुख्य भाषण दिया। सम्मेलन के तकनीकी सत्रों में भारत के विभिन्न पहलुओं और अंतर्राष्ट्रीय शांति एवं सुरक्षा में इसकी भूमिका पर चर्चा की गई। सम्मेलन में मीडिया की भूमिका और वर्तमान युग में शांति एवं सुरक्षा में इसके योगदान पर भी चर्चा हुई।

"भारत का जी-20 वर्ष-2023" पर एक दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन, 15 दिसंबर 2023

15 दिसंबर 2023 को एशिया सेंटर, बैंगलोर द्वारा "भारत का जी-20 वर्ष -2023" पर एक दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया था। आईसीडब्ल्यूए के उप महानिदेशक श्री सौमेन बागची ने आईसीडब्ल्यूए प्रतिनिधि के रूप में इस कार्यक्रम में भाग लिया। श्री सौमेन बागची ने बताया कि कैसे जी20 दिल्ली शिखर सम्मेलन ने मानव केंद्रित ओरिएंटेशन लाया है, एक "एलिट क्लब" को "समावेशी वैश्विक निकाय" में बदल दिया है। एशिया सेंटर, बेंगलुरु आईसीडब्ल्यूए का एमओयू साझेदार है।

"कोविड-19 के बाद की दुनिया में सतत विकास लक्ष्यों को हासिल करना: क्षेत्रीय चुनौतियाँ, अवसर और नीति विकल्प" पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 21-22 दिसंबर 2023

सुश्री अवनी सबलोक, शोध सहयोगी, आईसीडब्ल्यूए ने 21-22 दिसंबर, 2023 को जम्मू में "कोविड-19 के बाद की दुनिया में सतत विकास लक्ष्यों को हासिल करना: क्षेत्रीय चुनौतियां, अवसर और नीति विकल्प" विषय पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में परिषद का प्रतिनिधित्व किया। सम्मेलन का आयोजन जम्मू विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग द्वारा भारतीय वैश्विक परिषद, नई दिल्ली और भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, उत्तर पश्चिमी क्षेत्रीय केंद्र, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ के सहयोग से किया गया था। सुश्री अवनी सबलोक ने "डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर: भारत का समावेशी डिजिटल गवर्नेंस का मॉडल" शीर्षक से एक शोधपत्र भी प्रस्तुत किया, जिसमें उन्होंने भारत के डीपीआई के मूलभूत घटकों, इसकी सफलता की कहानी, और डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर (डीपीआई) के भारतीय मॉडल पर अनुसंधान की बढ़ती मांग और दुनिया भर में तैनाती के बारे में बताया।

आईसीडब्ल्यूए में शोध-प्रशिक्षु

श्री ओम रंजन
राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय, गुजरात

श्रेया सिंह
लेडी श्री राम कॉलेज फॉर वुमेन, दिल्ली विश्वविद्यालय

रिदिथ राय
यॉर्क यूनिवर्सिटी, टोरंटो, कनाडा

विजय आनंद पाणिग्रही
पांडिचेरी विश्वविद्यालय

निखिल गुव्वाडी
सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ़ गुजरात

श्री अभिषेक कुमार
पांडिचेरी विश्वविद्यालय

भारतीय वैश्विक परिषद प्रकाशन

मुद्दा संक्षिप्त

1. डॉ. लक्ष्मी प्रिया, ब्रिक्स विस्तार एवं एमईएनए देश (1 अक्टूबर 2023)
2. डॉ. प्रज्ञा पांडे, भारत-इटली: इंडो-पैसिफिक में एक विकसित साझेदारी (4 अक्टूबर 2023)
3. डॉ. स्तुति बनर्जी, भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका साझेदारी: सहयोग के उभरते क्षेत्र (4 अक्टूबर 2023)
4. डॉ. समथा मल्लेम्पति, श्रीलंका की आर्थिक सुधार: आईएमएफ समीक्षा (16 अक्टूबर 2023)
5. अनुभा गुप्ता, द साइबर ब्रिज: ग्लोबल साउथ में भारत की साइबर क्षमता का सृजन (23 अक्टूबर 2023)
6. डॉ. स्तुति बनर्जी, प्रधानमंत्री ट्रूडो और कनाडा की विदेश नीति में बदलाव (25 अक्टूबर 2023)
7. निखिल गुव्वाडी, अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन: वह सूर्य जो कभी अस्त नहीं होता (27 अक्टूबर 2023)
8. डॉ. समथा मल्लेम्पति, मालदीव 2023 चुनाव: एक आकलन (25 अक्टूबर 2023)
9. डॉ. अर्नब चक्रवर्ती, लैटिन अमेरिका के साथ रूस के जुड़ाव की बदलती गतिशीलता (30 अक्टूबर 2023)
10. डॉ. लक्ष्मी प्रिया, ईरानी दृष्टिकोण I : बहुपक्षीय एवं बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था पर ध्यानाकर्षण (3 नवंबर 2023)
11. अभिषेक कुमार, इंडो-पैसिफिक में भारत और फ्रांस (3 नवंबर 2023)
12. डॉ. अन्वेषा घोष, निर्वासन की समय सीमा पूरी होने पर पाकिस्तान से अफ़गानों का सामूहिक पलायन (3 नवंबर 2023)
13. डॉ. टुनचिनमांग लांगेल, उथल-पुथल के युग में जापान का रणनीतिक पुनर्विन्यास (6 नवंबर 2023)
14. डॉ. पुनित गौड़, क्षेत्र में बढ़ते पश्चिमी प्रभाव के बीच सीआईएस शिखर सम्मेलन का आकलन (14 नवंबर 2023)
15. डॉ. प्रज्ञा पांडे, आईओआरए का इंडो-पैसिफिक आउटलुक और क्षेत्र में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका (14 नवंबर 2023)
16. डॉ. स्तुति बनर्जी, संयुक्त राज्य अमेरिका और चीन: बातचीत की पुनः शुरूआत (30 नवंबर 2023)
17. डॉ. अन्वेषा घोष, इज़राइल-हमास संघर्ष पर तालिबान के रुख को समझना (6 दिसंबर 2023)
18. डॉ. फज्जुर रहमान सिद्दीकी, जारी इज़राइल-गाजा युद्ध और अरब-इस्लामिक शिखर सम्मेलन: एक आकलन (7 दिसंबर 2023)
19. डॉ. लक्ष्मी प्रिया, ईरानी दृष्टिकोण-II: एशिया और वैश्विक दक्षिण की धुरी (7 दिसंबर 2023)
20. डॉ. गौरी नारायण माथुर, अफ़्रीका में वैगनर समूह के पदचिह्न का पता लगाना (8 दिसंबर 2023)
21. डॉ. अतहर ज़फ़र, अर्मेनिया अज़रबैजान संबंधों की संघर्ष के बाद की दिशा - सामान्य स्थिति की ओर? (11 दिसंबर 2023)
22. डॉ. संजीव कुमार, चीन के बीआरआई का एक दशक: तीन हालिया विकासों का विश्लेषण (11 दिसंबर 2023)
23. ओम रंजन, शी जिनपिंग के अंतर्गत पीएलए: प्रमुख रुझान (11 दिसंबर 2023)
24. डॉ. अरशद, यूक्रेन संघर्ष के बाद उत्तरी अफ़्रीकी क्षेत्र में बदलती भूराजनीतिक गतिशीलता (12 दिसंबर 2023)
25. डॉ. अर्नब चक्रवर्ती, लैटिन अमेरिका में आर्थिक क्षेत्रीय एकीकरण (14 दिसंबर 2023)
26. डॉ. हिमानी पंत, यूरोपीय सुरक्षा में ओएससीई की भूमिका (18 दिसंबर 2023)
27. डॉ. संजीव कुमार, दूसरा चीन-हिंद महासागर क्षेत्र फोरम: एजेंडा एवं परिणाम (21 दिसंबर 2023)
28. विजय आनंद पाणिग्रही, भूटान की पहली राष्ट्रीय अनुकूलन योजना: संभावनाएँ और चुनौतियाँ (22 दिसंबर 2023)
29. श्रेया सिंह, दक्षिणपूर्व एशिया के साथ भारत के ऐतिहासिक संबंधों का मानचित्रण (27 दिसंबर 2023)
30. अनुभा गुप्ता, गवर्निंग आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस: एक सुरक्षित, साझा एवं संरक्षित एआई भविष्य के लिए (29 दिसंबर 2023)

दृष्टिकोण

1. डॉ. ए.एस. संजीव कुमार, चीन की बीआरआई की तुलना में आईएमईसी प्रक्रिया और सिद्धांतों के स्पष्ट फायदे (3 अक्टूबर 2023)
2. डॉ. ए.एस. अन्वेषा घोष, रूस ने अफगानिस्तान पर 5वें मॉस्को प्रारूप परामर्श की मेजबानी की (5 अक्टूबर 2023)
3. डॉ. ए.एस. अरशद, भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारा: पहलू और संभावनाएँ (16 अक्टूबर 2023)
4. बंतीरानी पात्रो, टीटीपी और बलूच आतंकवादियों के बीच उभरती सांठगांठ (23 अक्टूबर 2023)
5. माहिर सचदेवा, हेज अगेंस्ट द हेज (23 अक्टूबर 2023)
6. अनुभा गुप्ता, क्रिप्टो की वापसी: संघर्ष और युद्ध पर क्रिप्टो का प्रभाव (13 नवंबर 2023)
7. डॉ. श्रीपति नारायणन, पहला आसियान-जीसीसी शिखर सम्मेलन (14 नवंबर 2023)
8. डॉ. अतहर जफर, डिजिटलीकरण एससीओ के सहयोग एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए तैयार है (14 नवंबर 2023)
9. अवनी सबलोक, विकासशील देशों का बढ़ता कर्ज - चिंताएं और दृष्टिकोण (20 नवंबर 2023)
10. डॉ. टेशु सिंह, सीपीईसी का एक दशक: एक विश्लेषण (24 नवंबर 2023)
11. डॉ. टुनचिनमांग लांगेल, जापान की आधिकारिक सुरक्षा सहायता (ओएसए) (29 नवंबर 2023)
12. डॉ. अर्नब चक्रवर्ती, वेनेज़ुएला और गुयाना के बीच सीमा विवाद - क्षेत्र के लिए निहितार्थ (12 दिसंबर 2023)
13. डॉ. स्तुति बनर्जी, यूक्रेन को सहायता बनाम अप्रवासन: विदेश नीति बनाम. घरेलू नीति का एक मामला (14 दिसंबर 2023)
14. डॉ. अन्वेषा घोष, चीन तालिबान राजदूत की मेजबानी करने वाला पहला देश बन गया (14 दिसंबर 2023)
15. डॉ. अरशद, मिस्र में राष्ट्रपति चुनाव 2023: एक आकलन (26 दिसंबर 2023)
16. अन्विती मोहिले, सोशल मीडिया और भारत की डिजिटल कूटनीति: हाल के अंतर्राष्ट्रीय घटनाक्रमों से सबक (28 दिसंबर 2023)

विशेष रिपोर्ट

1. डॉ. फज्जुर रहमान सिद्दीकी, ओआईसी पर एक आकलन: क्या यह अब भी प्रासंगिक है? (30 अगस्त 2023)
2. डॉ. पुनित गौड़, बदलते भू-राजनीतिक परिदृश्य में मध्य गलियारे का महत्व (14 नवंबर 2023)
3. डॉ. फज्जुर रहमान सिद्दीकी, सऊदी अरब के घरेलू, क्षेत्रीय और वैश्विक दृष्टिकोण में बदलाव: एमबीएस सिद्धांत की डिकोडिंग (25 अक्टूबर 2023)

आईसीडब्ल्यूए अतिथि कॉलम

1. प्रो. बिनोद खदरिया, 'असमानताएं, प्रेषण लागत, एवं प्रवासन के लिए वैश्विक कॉम्पैक्ट (जीसीएम) में प्रगति के संकेतक: शिक्षा, निजी क्षेत्र और सरकार के लिए वैश्विक प्रवासन शासन का विकेंद्रीकरण' (10 अक्टूबर 2023)
2. राजदूत गुरजीत सिंह और प्रो. चिंतामणि महापात्रा, 'भारत में दैनिक जीवन पर विदेश नीति का प्रभाव' (13 नवंबर 2023)
3. वी. श्रीनिवास, सचिव, भारत सरकार, 'जी20 प्रक्रिया में भारतीय अध्यक्षता पद का योगदान' (6 दिसंबर 2023)
4. डॉ. संकल्प गुरजार, 'भारत, केन्या और पश्चिमी हिंद महासागर में सुरक्षा' (26 दिसंबर 2023)

सप्रू हाउस शोधपत्र

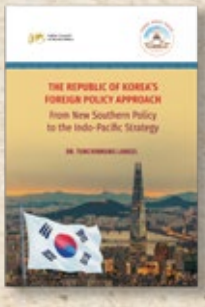

The Republic of Korea's Foreign Policy Approach: From New Southern Policy to The Indo-Pacific Strategy

By Dr. Tunchinmang Langel,

(Indian Council of World Affairs 2023)

विशेष प्रकाशन

'Impact of Foreign Policy on Daily Lives in India'

By Amb. Gurjit Singh and Prof. Chintamani Mahapatra

(13 November 2023)

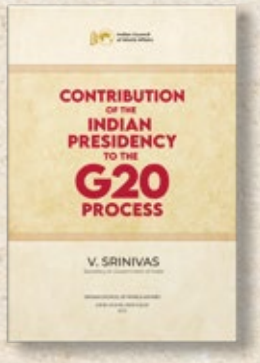

'Contribution of the Indian Presidency to the G20 Process'

By V. Srinivas, Secretary to the Government of India

(6 December 2023)

भारतीय वैश्विक परिषद पुस्तकें

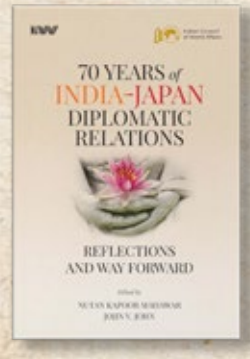

70 Years of India-Japan Diplomatic Relations: Reflections & Way Forward

Edited by Nutan Kapoor Mahawar & Jojin V. John

(Indian Council of World Affairs; KW Publishers, 2023)

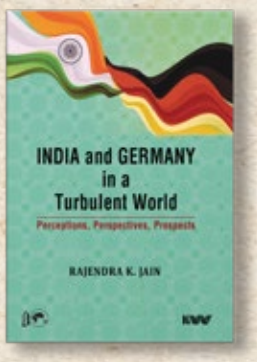

India and Germany in a Turbulent World: Perceptions, Perspectives, Prospects

By Rajendra K. Jain

(Indian Council of World Affairs; KW Publishers, 2023)

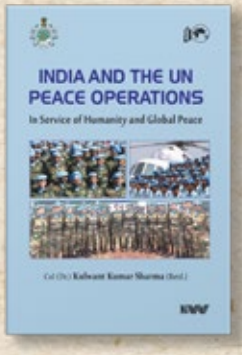

India and the UN Peace Operations: In Service of Humanity and Global Peace

By Col (Dr.) Kulwant Kumar Sharma (Retd.)

(Indian Council of World Affairs; KW Publishers, 2023)

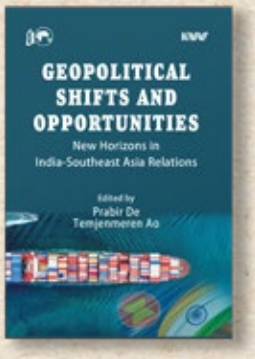

Geopolitical Shifts and Opportunities: New Horizons in India-Southeast Asia Relations

Edited by Prabir De & Temjenmeren Ao

(Indian Council of World Affairs; KW Publishers, 2023)

इण्डिया क्वार्टरली, ए जर्नल ऑफ इंटरनेशनल अफेयर्स
खंड 79, अंक 4, दिसंबर 2023
विशेष अंक: भारत की जी20 अध्यक्षता: एजेंडा, दिशा एवं संवाद

संपादकीय

इस वर्ष भारत की अध्यक्षता में आयोजित जी20 शिखर सम्मेलन ने दुनिया के समक्ष कुछ सबसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर प्रकाश डाला है। ये समस्याएं काफी समय से मौजूद थीं, लेकिन लंबे समय से जारी संकटों ने इनपर तत्काल ध्यान देने की आवश्यकता को रेखांकित किया है, जो विभिन्न कार्य समूहों, सहभागिता समूहों एवं अन्य संबद्ध गतिविधियों को लेकर होने वाली बैठकों से स्पष्ट है, जो सितंबर की शुरुआत में अंतिम जी20 शिखर बैठक तक की जाएंगी। ऐसा प्रतीत होता है कि विगत वर्ष में भू-राजनीतिक दरारें और बड़ी हो गई हैं, वैश्विक अर्थव्यवस्था अभी भी बाधित है, और राष्ट्र अभी भी कोविड-19 महामारी और ग्लोबल वार्मिंग के प्रभावों को समझने का प्रयास कर रहे हैं।

जैसे-जैसे राष्ट्र समाधान तलाशने हेतु एकजूट हो रहे हैं, नेतृत्व, एजेंडा एवं एजेंसी के मुद्दे, जो लंबे समय से बहुराष्ट्रीय संस्थानों में चर्चा के हाशिये पर थे, फिर से उभर आए हैं। जी20 में, विकासशील देशों को अपने पास लगातार तीन बार अध्यक्ष का पद होने से अपनी चिंताओं को विशेषाधिकार मिलने की संभावना है। वास्तव में, ग्लोबल साउथ को भारत ने नेतृत्व के अगुवा और ऐसे देश जहां आर्थिक विकास को "मानव केंद्रित विकास" के लिए फिर से उन्मुख किया जा सकता है, के रूप में पुनर्जीवित किया है। नई दिल्ली, औपनिवेशिक काल के बाद के देश, विकासशील अर्थव्यवस्था और अब एक उभरती हुई शक्ति के रूप में अपनी प्रगति को देखते हुए, ग्लोबल साउथ के नेतृत्व के अपने दावे पर टिका है, हालांकि इन्हें बनाए रखने के लिए मौजूदा संस्थानों में कुछ संतुलन की आवश्यकता हो सकती है जैसे कि ब्रिक्स एवं संयुक्त राष्ट्र।

लेकिन नेतृत्व के साथ-साथ बड़ी ज़िम्मेदारियां भी आती हैं, मुख्यतः महत्वपूर्ण मुद्दों पर आम सहमति बनाने की। यहां, जी20 शिखर सम्मेलन में प्रमुख मुद्दों : यूक्रेन में युद्ध, जलवायु वित्त, वैक्सीन एवं फार्मा का राष्ट्रवाद, वैश्विक स्वास्थ्य आर्किटेक्चर में बाधा, तकनीकी का हस्तांतरण, व्यापार नीतियों का पुनर्विन्यास एवं नई वैश्विक मूल्य श्रृंख्ला का सृजन पर बेहद सख्त रुख सामने आया है। भले ही जी 20 इन्हें वैश्विक मुद्दा मानता है जिनके लिए सहकारी समाधान की आवश्यकता है, लेकिन इनपर मतभेद आम समझौतों के लिए खतरा हैं।

जैसे ही जी20 की बैठकों और शिखर सम्मेलन अंतिम दौर में पहुंचेगा, हम संभवतः इस निष्कर्ष पर पहुंचेंगे कि ग्लोबल साउथ की आवाज के रूप में उत्तर और दक्षिण के बीच एक पुल के रूप में भारत की भूमिका, इस समय जी20 आयोजित करने के कूटनीतिक लाभ और उन मुद्दों के लिए जी20 शिखर सम्मेलन के सकारात्मक परिणाम में क्या योगदान रहा, जिन पर हमें ध्यान देने की आवश्यकता है।

इस आकलन के लिए मंच तैयार करने हेतु इंडिया क्वार्टर्ली के इस अंक के ज़रिए भारतीय विदेश नीति, बहुपक्षवाद, स्वास्थ्य, जलवायु परिवर्तन और व्यापार पर अग्रणी विशेषज्ञों और चिकित्सकों को इस वर्ष की जी20 बैठकों एवं इसके संभावित परिणामों पर अपने विचार रखने के लिए आमंत्रित किया गया है। उनकी चर्चाओं के साथ-साथ हमने उन लेखों को भी समाविष्ट किया उनकी चर्चाओं के साथ हमने ऐसे लेख भी शामिल किये हैं, जो खाद्य सुरक्षा, हरित ऊर्जा परिवर्तन, व्यापार परिवेश में संरचनात्मक सुधारों में लैंगिक असमानता और लैटिन अमेरिका से प्रदर्शित होने वाले जहां अगली जी20 बैठकें आयोजित की जाएंगी, ग्लोबल साउथ में भारत के नेतृत्व का दावे, साथ ही ब्रिक्स जैसे संस्थानों में भी जहां चीन जैसे अन्य दावेदार दावों को प्रतिस्पर्धी बनाते हैं, के संभावित जी20 समाधान का प्रस्ताव करते हैं। चर्चाओं से जी20 के समक्ष कार्यों की बढ़ती जटिलता, जो एक सीमित वित्तीय एजेंडे के साथ शुरू हुई, और वैश्विक परिवेश में व्यवधान, जो समाधान को कठिन बनाते हैं, दोनों का पता चलता है। फिर भी, यह वैश्विक एजेंडा के अत्यंत आवश्यक पुनर्गठन पर बल देने का एक अवसर हो सकता है।

प्रो. मधु भल्ला
संपादक, भारत त्रैमासिक

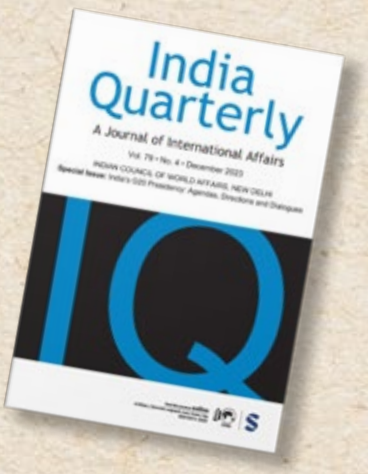

भारतीय वैश्विक परिषद के बारे में

भारतीय वैश्विक परिषद (ICWA) की स्थापना 1943 में सर तेज बहादुर सप्रू और डॉ एच.एन. कुंजरू के नेतृत्व में प्रख्यात बुद्धिजीवियों के एक समूह द्वारा की गई थी। इसका मुख्य उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय संबंधों पर एक भारतीय परिप्रेक्ष्य बनाना और विदेश नीति के मुद्दों पर ज्ञान और सोच के भंडार के रूप में कार्य करना था। परिषद आज एक आंतरिक संकाय के साथ-साथ बाहरी विशेषज्ञों के माध्यम से नीति शोध करती है। यह सम्मेलनों, संगोष्ठियों, गोलमेज परिचर्चाओं, व्याख्यानों सहित बौद्धिक गतिविधियों की एक श्रृंखला नियमित रूप से आयोजित करती है और कई प्रकाशनों का प्रकाशन करती है। इसमें एक बहुत सी पुस्तकों से सुसज्जित पुस्तकालय, एक सक्रिय वेबसाइट है, और यह 'इंडिया क्वार्टरली' पत्रिका प्रकाशित करती है। अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर बेहतर समझ को बढ़ावा देने और आपसी सहयोग के क्षेत्रों को विकसित करने के लिए आईसीडब्ल्यूए ने अंतरराष्ट्रीय थिंक टैंकों और अनुसंधान संस्थानों के साथ 50 से अधिक समझौता ज्ञापन किए हैं। परिषद की भारत में अग्रणी शोध संस्थानों, थिंक टैंकों और विश्वविद्यालयों के साथ भी साझेदारी है।

मेंटर	:	राजदूत विजय ठाकुर सिंह, महानिदेशक, आईसीडब्ल्यूए, सप्रू हाउस, नई दिल्ली
संपादक	:	श्रीमती नूतन कपूर महावर, संयुक्त सचिव, आईसीडब्ल्यूए, सप्रू हाउस, नई दिल्ली
प्रबंध संपादक	:	डॉ. निवेदिता रे, निदेशक अनुसंधान, आईसीडब्ल्यूए, सप्रू हाउस, नई दिल्ली
सहायक संपादक	:	डॉ. ध्रुबज्योति भट्टाचार्जी, अनुसंधान अध्येता, आईसीडब्ल्यूए, सप्रू हाउस, नई दिल्ली
सहायक	:	सुश्री अन्विति मोहिले, संयुक्त प्रबंधक, MyGov/आईसीडब्ल्यूए, सप्रू हाउस, नई दिल्ली

हमसे जुड़ें

/Sapru.House @ICWA_NewDelhi /ICWA_NewDelhi www.icwa.in

/company/indian-council-of-world-affairs1

आईसीडब्ल्यूए, सप्रू हाउस, बाराखंभा रोड, नई दिल्ली - 110001 द्वारा प्रकाशित समाचार पत्रक
वेबसाइट: https://www.icwa.in; दूरभाष नं 011-23317246 फैक्स नंबर 011-23310638